मान्यता

भारतीय स्तर पर विजेता – दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में से प्रत्येक श्रेणी के लिए भारतीय स्तर पर एक विजेता चुना जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर – सम्पूर्ण राष्ट्र से प्राप्त समस्त प्रविष्टियों में से तीनों भाषाओं की दोनों श्रेणियों के तीन शीर्ष निबंधों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे।

क्षेत्रीय स्तर – सम्पूर्ण राष्ट्र को 'तीस' क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में शीर्ष तीन निबंधों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्षेत्रीय स्तर पर दिए जाएंगे।

संस्था स्तर – प्रत्येक भाग लेने वाली संस्था के प्रतिभागियों में दोनों श्रेणियों की तीनों भाषाओं में दो श्रेष्ठतम प्रविष्टियों को योग्यता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

अन्तिम पुरस्कार की योग्यता हेतु छात्रों का टेलीफोन पर साक्षात्कार लिया जा सकता है। भारतीय स्तर पर विजेताओं को ट्रॉफी दी जाएगी। राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विजेताओं को मेडल दिए जाएंगे।

सभी पुरस्कृत विजेताओं को निदेशक, संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र एवं अध्यक्ष, श्री रामचन्द्र मिशन द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

निबन्ध जमा करवाने की अंतिम तिथि

संस्थाओं द्वारा – **25 अगस्त 2014**

परिणामों की घोषणा – **30 नवम्बर 2014**

निबन्ध लेखन के विषय

श्रेणी – 1 (कक्षा 9 से 12 तक) के विषय

सर्वोपरि : स्वयं अपने प्रति सत्यनिष्ठ रहें। (शेक्सपियर)

श्रेणी – 2 (स्नातक और परास्नातक) के विषय

सत्यनिष्ठ होना मानवीय होना है।

प्रतिभागियों से अनुरोध

इस कार्यक्रम की उद्देश्य पूर्ति के लिए कृपया निबंध को इस प्रकार लिखें कि उसमें विषय के सम्बंध में आपकी निजि समझ परिलक्षित हो जो कुछ हद तक आपके अपने अनुभवों पर आधारित हो। मात्र पुस्तकों अथवा इंटरनेट से सामग्री उठाकर लिखे गए निबंध वांछनीय नहीं हैं।

कृपया निबंध हमारे विश्व मुख्यालय, चैन्नई अथवा किसी अन्य पते पर न भेजें। प्रतिभागी कृपया अपना निबंध अपने विद्यालय के समन्वयक को दें। विद्यालय द्वारा चयनित निबंध विद्यालय के संयोजकों द्वारा हमारे उस प्रतिनिधि को दिए जाने चाहिए जिसका नाम तथा संपर्क के लिए टेलिफोन नम्बर दिया गया है। कोई अस्पष्टता के सम्बंध में हमें निम्नलिखित पते पर लखें ;

essayevent@srcm.org

प्रविष्टियाँ

यह सूचना पत्रक अंग्रेज़ी, हिन्दी और तेलुगु भाषाओं में श्री रामचन्द्र मिशन की निम्नलिखित वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है –

www.sahajmarg.org/essay-event

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम 2014

श्री रामचन्द्र मिशन

तथा

UN Information Centre
New Delhi

संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र भारत व भूटान

की सहकार्यता में आयोजित

श्री रामचन्द्र मिशन

श्री रामचन्द्र मिशन (एस.आर.सी.एम.) एक गैर लाभकारी, शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक सेवा संगठन है, जो कि विश्वबंधुत्व और प्रेम को बढ़ाने के लिए समर्पित है। श्री रामचन्द्र मिशन इस सिद्धांत पर सतत् कार्यरत है कि व्यक्तिगत रूपान्तरण के द्वारा विश्वव्यापी समाजिक रूपान्तरण किया जा सकता है। यह मानव विकास एवं एकीकरण के लिए कार्यरत है। इस तरह प्रेम एवं सौहार्द पर आधारित शाश्वत शांतिपूर्ण मानव समाज की रचना की जा सकती है।

श्री रामचन्द्र मिशन युवाओं के सर्वाङ्गीण विकास पर अत्यधिक महत्व देता है, इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि वर्तमान पीढ़ी को नैतिक, सैद्धांतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से अवगत एवं पोषित करने से ही हम एक उज्ज्वल भविष्य की आशा कर सकते हैं।

एस.आर.सी.एम. और यू.एन.डी.पी.आई.

श्री रामचन्द्र मिशन एवं संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों व क्रियाओं में स्वाभाविक रूप से समानताएं हैं। जिससे सामंजस्यपूर्ण एवं शांतिपूर्ण मानव समाज की संरचना के उद्देश्य में इन दोनों संस्थाओं के बीच सक्रिय सम्बंधों ने, इन्हें प्रमुख सहयोगी बनाया है। श्री रामचन्द्र मिशन, संयुक्त राष्ट्र जन सूचना विभाग (यू.एन.डी.पी.आई.) से संबद्ध विश्व में मानव जाति के कल्याण एवं संयुक्त राष्ट्र राजपत्र में उल्लिखित सिद्धांतों के समर्थन में सक्रिय रूप से कार्यरत लगभग 'एक हज़ार छः सौ' गैर सरकारी संस्थानों में से एक है।

अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम श्री रामचन्द्र मिशन एंव संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र भारत व भूटान, यू.एन.आई.सी., भारत में संयुक्त राष्ट्र की प्रतिनिधि इकाई की सहभागिता का प्रमुख कार्यक्रम है।

युवाओं के लिए आमंत्रण

प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय निबंध लेखन कार्यक्रम के माध्यम से श्री रामचन्द्र मिशन युवाओं से सम्पर्क स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। जो इस तथ्य पर आधारित है कि भविष्य इनके कन्धों पर निर्भर है।

युवावस्था प्रतिज्ञा का समय है बशर्ते इसमें उसी अनुपात में प्रयास भी किया जाए। यद्यपि यह अवसरों से परिपूर्ण समय है फिर भी यह सम्भव है कि नैतिक मूल्यों के निर्देशन के अभाव में युवाओं को संघर्ष करना पड़े।

यद्यपि वर्तमान शिक्षा पद्धति बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में चुनौतिपूर्ण भविष्य हेतु युवाओं के मस्तिष्क को तैयार करना का उत्तम कार्य कर रही है, फिर भी युवाओं को स्वयं नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण होने की बहुत आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम के सूत्रपात से हमारा प्रयत्न है कि शिक्षा व जीवनवृत्ति, चरित्र निर्माण व संतुलित जीवन के साथ साथ चलने की आवश्यकता को प्रेरित व पोषित किया जाए। यही एकमात्र मार्ग है जो सुनिश्चित करता है कि भविष्य में विश्व का नेतृत्व सक्षम एवं संतुलित व्यक्तियों द्वारा होगा।

हम आपको इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह एक ऐसे विषय पर गहन चिन्तन व अपने विचार प्रकट करने का विशिष्ट अवसर है, जिसे प्रायः अपेक्षित महत्व दिया जाना चाहिए।

भारत में 12,000 से अधिक शिक्षा संस्थानों के लगभग 1,78,000 विद्यार्थियों नें अखिल भारतीय निबंधलेखन कार्यक्रम - 2013 में भाग लिया ।

नियम और दिशा निर्देश

- प्रतिभागी द्वारा निबंध निम्नलिखित मे से किसी भी भाषा में लिखा जा सकता है – अंग्रेज़ी, हिन्दी या तेलुगु।
- निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाली संस्थाओं के सभी योग्य एवं इच्छुक प्रतिभागी निबंध लिख सकते हैं। उन्हें अपने निबंध संस्था के प्राधिकारी को दिनांक **12 अगस्त 2014** तक जमा करवाने होंगे। संस्था द्वारा प्रत्येक भाषा के शीर्ष पाँच निबंध एवं निर्धारित प्रारूप में प्रतिभागियों की सम्पूर्ण सूची श्री रामचन्द्र मिशन के प्रतिनिधि को दिनांक **25 अगस्त 2014** तक देनी होगी।
- सभी प्रविष्टियाँ 'ए–4' आकार की उत्तर पुस्तिका में काली या नीली स्याही से हस्तलिखित होनी चाहिए। सभी प्रविष्टियों में प्रतिभागी की सूचना सम्बंधी प्रारूप पूरी जानकारी के साथ संलग्न होना चाहिए। संस्था द्वारा दिए गए अंक उत्तर पुस्तिकाओं पर अंकित नहीं होने चाहिए।
- छात्रों को विषयों पर पढ़ने व शोध करने के लिए प्रेरित किया जाए, सभी जमा की गई प्रविष्टियाँ अनिवार्यतः छात्र की मौलिक रचना होनी चाहिए तथापि सन्दर्भ व सूक्तियाँ भी अवश्य स्वीकार्य है।
- प्रतिभागियों के लिए केवल दो ही श्रेणियाँ है और प्रत्येक प्रतिभागी का संम्बधित श्रेणी के विषय पर निबंध लिखना है।
- दोनों श्रेणियों के लिए शब्द सीमा 'एक हज़ार' शब्द है जिसका दृढ़ता से पालन किया जाना चाहिए। साथ ही छात्रों को निबंध में किसी भी प्रकार के चित्रण से बचना चाहिए।